# क्रम


सेक्स जातिगत हिंसा का एक पहलू है / विजय तेंदुलकर 11

पिता के रहते मैं कभी लेखक नहीं बन पाता / राकेश बज़रिए अनीता राकेश 22

मेरा थियेटर मुफ्त भी है और मुक्त भी / बादल सरकार 31

नाटककार होने का अर्थ है संपूर्ण पुरुष होना / लक्ष्मीनारायण लाल 36

नाटक की शुरुआत ही सोशल कमेंट से होती है / सुरेन्द्र वर्मा 44

नाटक ने मुझे बेहतर कवि-कथाकार बनाया है / मणि मधुकर 55

नाटक लिखना और करना दो अलग कलाएँ हैं / जगन्नाथ प्रसाद दास 64

रमेश मेहता जल्लाद एक्टर-निर्देशक थे / रेवती सरन शर्मा 72

पूरी दुनिया में अच्छे नाटककारों की कमी / इब्राहिम अल्काज़ी 83

चिड़िया का चहचहाना भी मेरे लिए संगीत है / ब०व० कारंत 89

पश्चिमी तकनीक का खुद उसके खिलाफ इस्तेमाल / रतन थियम 110

अच्छा है हमारे यहाँ व्यावसायिक थियेटर नहीं है / श्यामानंद जालान 122

हिंदी रंगमंच ही राष्ट्रीय रंगमंच है / राजिन्दर नाथ 134

रंगमंच के विकास के बिना देश मर जाता है / बृज मोहन शाह 140

पुराने और नए का रचनात्मक टकराव जरूरी / मोहन महर्षि 150

नेशनल नहीं रीजनल थियेटर होना चाहिए / एम०एस० सथ्यू 160

कमी हिंदी नाटकों की नहीं, योग्य निर्देशकों की है / रामगोपाल बजाज 166

सांस्कृतिक नीति बदलने की जरूरत / बंसी कौल 174

मेरा मकसद लोगों को झकझोरना है / उषा गांगुली 178

दृश्य बनते शब्दों का जादू : यात्रा जारी है / देवेन्द्र राज अंकुर 183

थियेटर मेरे लिए एक जीवन-पद्धति है / रंजीत कपूर 212

मैं किसी शैली से नहीं, अच्छे नाटकों से प्रतिबद्ध हूँ / सतीश आनन्द 218

बोलियाँ हरकत-भरी सशक्त नाट्य-भाषा हैं / अलखनंदन 226
अभिनेता को मारकर रंगमंच जिंदा नहीं रह सकता / मनोहर सिंह 231
मैं पॉपुलर थियेटर नहीं थियेटर को पॉपुलर करता हूँ / दिनेश ठाकुर 242
बैक-स्टेज में गधों की तरह काम करना पड़ता है / व्ही० राममूर्ति 248
रंगकर्म का अर्थ केवल अभिनय और निर्देशन ही नहीं है / जे०एन० कौशल 254
'कलात्मक व्यावसायिक रंगमंच' और 'पैसाकमाऊ रंगमंच' में अंतर जरूरी है / नेमिचन्द्र जैन 267

**पंद्रह लघु साक्षात्कार**

थियेटर से क्रांति नहीं लाई जा सकती / पीटर ब्रुक 272
विचार और तर्क ही नाटक की मूल धुरी है / फ्रिट्ज़ बैनेविट्ज़ 274
सरकार पैसा दे, दखल न दे / हबीब तनवीर 278
रंगमंच कलाकार का माध्यम है, फिल्म व्यवसायी का / गिरीश कर्नाड 282
सिर्फ प्रशंसा करने वाले समीक्षकों से बचना चाहिए / फ़िरोज़ खान 284
रिचुअल थियेटर का पुनरुत्थान करना चाहिए / एम०के० रैना 287
अभिनय बहुत टफ़ प्रोफ़ेशन है / उत्तरा बावकर 290
'गवरी' एक जीवंत और संपूर्ण नाट्यानुभव है / भानु भारती 293
बाल-रंगमंच स्कूलों में अनिवार्य विषय होना चाहिए / रेखा जैन 297
पार्श्वकर्मी को कौन पूछता है ? / सीतांशु मुकर्जी 301
व्यावसायिक रंगमंच के बाद ही सार्थक और गंभीर रंगकर्म होगा / इरफ़िन्दर पुरी 304
हमारे नाटकों के टिकट ब्लैक में बिकते हैं / सुरेन्द्र माथुर 307
रंगमंच के स्टार बनाइए / आनन्द गुप्त 311
मुझे सोचने वाले दर्शक चाहिए / जयदेव हट्टंगड़ी 314
पंजाबी में भी गंभीर रंगकर्म होता है / सी०डी० सिद्धू 317

**परिशिष्ट**

रंग-समीक्षा के वास्तविक प्रतिमान नहीं बन सके / जयदेव तनेजा 322